

ముఖ్యమంత్రి కార్యాలయము

తెలంగాణ ప్రభుత్వం

పత్రికా ప్రకటన

తేది.12-06-2021

తెలంగాణ సాహితీ సౌరభాలను విశ్వంభరావ్యాపితం చేసి, తెలుగు కవితను మహోన్నత స్థాయిలో నిలిపిన జ్ఞానపీఠ్ అవార్డు గ్రహీత, ఆచార్య డా. సినారె (సింగిరెడ్డి నారాయణ రెడ్డి) వర్ధంతి సందర్భంగా ముఖ్యమంత్రి కె.చంద్రశేఖర్ రావు ఆయనకు ఘన నివాళులర్పించారు. కవిగా, రచయితగా, గేయ కావ్య కృతి కర్తగా, పరిశోధకుడిగా, విద్యావేత్తగా, సినీ గీతాల రచయితగా, తనదైన ప్రత్యేకశైలిలో తెలంగాణ పద సోయగాలను వొలికిస్తూ సాహితీ ప్రస్థానాన్ని కొనసాగించిన సృజనకారుడు సినారె అని సిఎం అన్నారు. ప్రకృతి మానవ తాత్వికతను ఆవాహనం చేసుకున్న ద్రష్ట, తెలంగాణ జాతికి జ్ఞానపీఠ్ అవార్డును అందించిన సాహితీ స్రష్ట... సినారె అని సిఎం కొనియాడారు. దక్కనీ ఉర్దూ తెలుగు భాషా సాహిత్యాలను జుగల్పందీలను చేసి, గజల్స్ తో అలాయ్ బలాయ్ తీసుకొని, తెలంగాణ గడ్డమీద గంగా జమునా తహజీబ్ కు సినారె సాహితీ చిరునామాగా నిలిచారని సిఎం గుర్తు చేసుకున్నారు. దేశీయ అంతర్జాతీయ భాషల్లో, తెలుగు సాహితీ లోకంలో, తెలంగాణ కు ఒక ప్రత్యేకస్థానాన్ని చేకూర్చిన సినారె కృషి అజరామరం అని సిఎం అన్నారు. భాషా సాహిత్యాలు నిలిచివున్నాళ్ళూ ప్రజల హృదయాల్లో సినారె చిరకాలం నిలిచివుంటారని సిఎం కెసిఆర్ స్మరించుకున్నారు.

PRESS RELEASE

DATE: 12-06-2021

Chief Minister Sri K Chandrashekhara Rao has paid rich tributes to Jnana Peeth Awardee; well know poet, critic, scholar and lyricist Dr C Narayan Reddy (Cingireddy Narayan Reddy a.k.a Cinare) on his death anniversary. The CM credited Dr Narayan Reddy with spreading the Telangana literary fragrance all over the world and putting Telugu poetry on a top pedestal. The CM described Dr Narayan Reddy as a pioneer who excelled as a poet, writer, researcher, educationist, film lyricist and who in

his inimitable style used Telangana idiom and continued his literary pursuits with creative power. The CM hailed Cinare as the one who got Jnana Peeth Award to the Telangana and understood the human and nature philosophy threadbare. He said Cinare became a symbol for the Ganga Jamuna Tehjeeb with his innovative creation of Telugu Ghazals with Telugu and Urdu languages jugalbandi. The efforts put in by Cinare to put Telugu and Telangana on the World literary Map is eternal. As long as language and literature exist, Cinare will continue to live, CM KCR said.

وزیر اعلیٰ جناب کے چندرشیکھر راؤ نے گیان پیٹھ ایوارڈ یافتہ معروف شاعر، تبصرہ نگار، اسکالر اور نغمہ نگار ڈاکٹر سی نارائن ریڈی (المعروف سنارے) کو آج ان کی برسی کے موقع پر زبردست خراج تحسین پیش کیا۔ وزیر اعلیٰ نے پوری دنیا میں تلنگانہ ادب کی خوشبو بکھیرنے اور تلگو شاعری کو سر بلندی عطا کرنے کا سپرہ ڈاکٹر نارائن ریڈی کے سر باندھا۔ وزیر اعلیٰ نے ڈاکٹر نارائن ریڈی کو ایک عمدہ شاعر، ادیب، محقق، تعلیم دان، فلمی نغمہ نگار قرار دیتے ہوئے کہا کہ انہوں نے اپنے ایک منفرد انداز میں تلنگانہ کے طرز سخن کو اپناتے ہوئے ایک تخلیقی انداز میں اپنے ادبی مشاغل کو جاری رکھا۔ وزیر اعلیٰ نے اپنی ادبی خدمات کے ذریعے تلنگانہ کو گیان پیٹھ ایوارڈ دلانے و نیز انسانی اور فطرت کے فلسفے کا گہرا فہم رکھنے پر سنارے کی ستائش کی۔ وزیر اعلیٰ نے کہا کہ سنارے نے تلگو اور اردو زبانوں کی جگل بندی کے ذریعے تلگو غزلوں کی اختراعی تخلیق کی اور گنگا-جمنی تہذیب کی علامت بن گئے۔ تلگو اور تلنگانہ کو عالمی ادبی نقشہ پر لانے کے لئے سنارے کی جانب سے کی گئی کاوشوں کو لافانی قرار دیتے ہوئے وزیر اعلیٰ کے سی آر نے کہا کہ جب تک لسان اور ادب کا وجود باقی رہے گا سنارے زندہ رہیں گے۔

मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने ज्ञानपीठ पुरस्कारि सिनारे (सिंगिरेड्डी नरायनारेड्डी) के पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि आचार्य डॉ. सिंगिरेड्डी नरायनारेड्डी ने तेलंगाना साहित्य की सुगंध को पूरी दुनिया में फैलाया और तेलुगु कविता को एक उत्कृष्ट स्तर पर पहुंचाया हैं। सीएम के.सी.आर. ने कहा कि सिनारे एक कवि, लेखक, गीतकार, शोधकर्ता, शिक्षाशास्त्री और रचनाकार थे जिन्होंने अपनी अनूठी शैली में तेलंगाना भाषा के शब्दों को अपनाकर साहित्यिक दुनिया में रसाभिषिक्त अभिव्यक्ति की। मुख्यमंत्री ने साहित्यकार के रूप में सिनारे की सराहना की जिन्होंने प्रकृति और तत्त्वज्ञान को जोड़ कर साहित्यिक दुनिया में कई प्रयोग किये थे। सीएम ने कहा कि सिनारे तेलंगाना राज्य को ज्ञानपीठ पुरस्कार प्रदान करनेवाले साहित्यिक सृजनकार थे। मुख्यमंत्री ने याद किया कि दक्कनी उर्दू भाषा और तेलुगु भाषा के साहित्यों को जुगलबंदी बनाकर, गजलों के साथ अलाय बलाय लेकर, तेलंगाना की जमीन पर गंगा जमीन तहजीब के लिए

सिनारे एक साहित्यिक मानक के रूप में खड़े थे। सीएम ने कहा कि सिनारे ने देशी, अंतरराष्ट्रीय स्तरों और तेलुगु साहित्य की दुनिया में तेलंगाना भाषा को विशेष स्थान दिलाया। सीएम केसीआर ने कहा की जब तक भाषा और साहित्य रहेंगे तब तक सिनारे लोगों के दिलों में बसे रहेंगे।

.....

CPRO TO CM